Metals Rally: कॉपर, सिल्वर और जिंक ने भरी उड़ान, वेदांता को होगा खूब लाभ

बोनस डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली Published by: Subhash Suman Updated Fri, 11 Sep 2026 02:08 PM IST

सार

Metals Rally: तांबा, चांदी और जस्ता की कीमतों में जोरदार तेजी आई है. एआई, डेटा सेंटर और नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग से वेदांता लिमिटेड को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है...

Metals Rally से वेदांता को लाभ- Photo : The Bonus

विस्तार

Metals Rally: तांबा, चांदी और जस्ता की कीमतों में इन दिनों जोरदार तेजी देखने को मिल रही है. इन तीनों धातुओं की मांग दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही है, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, विद्युतीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की वजह से. इस तेजी का सीधा फायदा वेदांता लिमिटेड को होने वाला है, क्योंकि कंपनी के पोर्टफोलियो में ये तीनों धातुएं अहम जगह रखती हैं.

19 फीसदी की तेजी से रिकॉर्ड स्तर पर तांबा

लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे की कीमत रिकॉर्ड 14,750 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गई है. अगस्त और सितंबर में कीमतें 14,000 डॉलर प्रति टन से ऊपर बनी रहीं. इस साल अब तक तांबे में करीब 19 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है. खदानों से आपूर्ति कम होने और पावर ग्रिड, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन तथा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में मांग बढ़ने की उम्मीद से कीमतें ऊपर जा रही हैं. एक अध्ययन के मुताबिक, एआई डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में इस्तेमाल होने वाले खनिजों में तांबे की हिस्सेदारी 83 फीसदी तक है. बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण में भी तांबे की भारी जरूरत पड़ती है.

वेदांता का कॉपर बिजनेस पहले से ही मजबूत स्थिति में है. वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी ने आठ साल का सबसे ज्यादा रॉड उत्पादन और बिक्री दर्ज की. उस तिमाही में कॉपर से एबिटा 8.9 मिलियन डॉलर रहा, जबकि एलएमई पर औसत

Follow Us

© 2026–27 thebonus.in

Home About us Contact us Cookies Policy Privacy Policy Terms and Conditions RSS Feeds Sitemap

4 साल में सबसे महंगा हुआ जिंक

जस्ता की कीमतें भी चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं. एलएमई पर कैश सेटलमेंट 4,110 डॉलर प्रति टन रहा. इस साल अब तक जस्ते में 29 फीसदी से ज्यादा और पिछले एक साल में करीब 39 फीसदी की तेजी आई है. वेदांता की हिंदुस्तान जिंक में करीब 60.7 फीसदी हिस्सेदारी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जस्ता उत्पादक कंपनी है. जस्ता का मुख्य इस्तेमाल स्टील को गैल्वनाइज करने में होता है. पावर ट्रांसमिशन, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, परिवहन और औद्योगिक ढांचे में इसकी जरूरत लगातार बढ़ रही है. डेटा सेंटरों के विस्तार से भी जस्ते की मांग और मजबूत हो रही है.

1 साल में 62 फीसदी बढ़े चांदी के भाव

चांदी में भी जबरदस्त तेजी दिख रही है. पिछले एक साल में कीमतें करीब 62 फीसदी बढ़कर 67.50 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गई हैं. चांदी की मांग लंबे समय और नजदीकी दोनों स्तर पर मजबूत बनी हुई है. सोलर पैनल और अन्य आधुनिक तकनीकों में इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है. वेदांता को हिंदुस्तान जिंक के जरिए चांदी से भी सीधा फायदा मिलता है. कंपनी ने सालाना 1,500 टन चांदी उत्पादन का लक्ष्य रखा है.

कुल मिलाकर तांबा, चांदी और जस्ता की यह तेजी वेदांता के लिए कई मजबूत थीम को जोड़ती है. एआई और विद्युतीकरण में तांबे का एक्सपोजर, सोलर में चांदी का योगदान और इंफ्रास्ट्रक्चर में जस्ते की भूमिका कंपनी की कमाई बढ़ाने वाले अहम माध्यम बन सकते हैं. आने वाले वर्षों में इन धातुओं की मांग और बढ़ने की उम्मीद है, जिससे वेदांता को अच्छी कमाई का मौका मिल सकता है.

ये भी पढ़ें...

Copper Prices 14,000 डॉलर के पार, जेबें ज्यादा ढीली करेंगे ईवी और घरेलू उपकरण

कमोडिटी 14 September 2026

Oil Prices की उबाल! पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, नए हमलों से 2% उछले तेल के भाव

कमोडिटी 14 September 2026

Rice Export: भारतीय चावल की मांग चमकी, टाइट सप्लाई से एक साल के हाई पर निर्यात भाव

कमोडिटी 11 September 2026